पाठ - गिरगिट

प्रत्येक 1 अंक व 2 अंक

① ओचुमेलॉव कौन है? वह किस अधिकार से लोगों से प्रश्न करता है?

उ० - ओचुमेलॉव एक पुलिस इंस्पेक्टर है। उसका काम अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना है। काठगोदाम के पास भीड़ देखकर और चीख पुकार सुनकर वह वहाँ आता है। पुलिस अधिकारी की हैसियत से वह लोगों से सवाल करता है।

② ख्यूकिन अपने निर्दोष होने का प्रमाण किस प्रकार देता है?

उ० ख्यूकिन पुलिस इंस्पेक्टर को अपने निर्दोष होने का प्रमाण देते हुए कहता, कि उसे एक आवारा कुत्ते ने काट लिया है। जबकि वह भीड़ में शिशु के समान चुपचाप चला जा रहा था। उसने कुत्ते की ओर देखा तक नहीं। फिर भी कुत्ते ने उसे अकारण काट खाया।

③ ओचुमेलॉव ने अपना क्या विचार प्रकट किया?

उ० ओचुमेलॉव ने अपना यह विचार प्रकट किया कि वह इस मामले को नहीं छोड़ेगा। वह उसके मालिकों को मज़ा चखाकर रहेगा। वह उस पर भारी जुर्माना लगाएगा।

④ ओचुमेलॉव ने अपने सिपाही को क्या हुक्म दिया?

उ० ⇒ ओचुमेलॉव ने अपने सिपाही येल्दीरीन को कहा कि पहले इस कुत्ते के मालिक का पता लगाओ और उसका पूरा ब्यौरा तैयार करो। इसके बाद इस कुत्ते को तुरंत मार दो।

⑤ ओचुमेलॉव काठगोदाम में काटने वाले कुत्ते के बारे में क्या धारणा रखता है?

उ०- काठगोदाम में ख्यूक्रिन की उँगली काटने- वाले कुत्ते के बारे में ओचुमेलॉव यह धारणा रखता है कि वह कुत्ता कितना भद्दा तथा मरियल सा है। कोई सभ्य आदमी ऐसा कुत्ता क्यों पालेगा? ऐसा कुत्ता मास्को या पीटर्सबर्ग दिख जाता तो उसकी छुट्टी कर दी जाती।

(6) ओचुमेलॉव किसे मज़ा चखवाना चाहता है और क्यों?

उ०- ओचुमेलॉव काटने वाले कुत्ते के मालिक को इस बात का मजा चखवाना चाहता है कि उसने कुत्ते को आवारा की भाँति गली में क्यों छोड़ा! इसके साथ-साथ वह अपना रोब भी दिखाना चाहता था।

(7) ओचुमेलॉव को जब यह पता चलता है कि यह कुत्ता जनरल साहब का है तो उसके व्यवहार में क्या परिवर्तन आया है?

उ०- ओचुमेलॉव के व्यवहार में एकदम परिवर्तन आ गया। उसे अपनी टिप्पणियों से भय लगने लगा। अभी-अभी उसने उस कुत्ते को भद्दा, मरियल-सा और मार देने योग्य कहा था। यह भी कहा था कोई सभ्य आदमी इसका मालिक नहीं हो सकता। अब उसने कुत्ते के प्रति सहानुभूति और जनरल साहब के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए सिपाही येल्दीरीन को जनरल साहब के घर भेजा।

(8) ओचुमेलॉव अचानक ख्यूक्रिन को क्यों डाँटने लगता है?

उ०- ओचुमेलॉव ख्यूक्रिन इसलिये डाँटने लगता है क्योंकि उसी ने उसे अभी-अभी मुआवजे के लिए फँसाया था परंतु वह कुत्ता तो उसके बॉस

का निकला जिससे बात करना भी संभव नहीं था इसीलिए वह ख्यूक्रिन को ही दबाने की कोशिश में लग गया ताकि वह मुकाबले की बात सोचना बंद कर दे और चुपचाप वहाँ से चला जाए।

(9) काठ गोदाम के पास भीड़ क्यों इकट्ठी हो गई थी।

उ० काठ गोदाम के पास एक कुत्ते ने एक सुनार की उंगली काट खाई थी। वह चीखता भागता चला आ रहा था। उसने कुत्ते की पिछली टाँग पकड़ ली थी। और वह उसे मार रहा था। कुत्ता गालियाँ और भीड़ की डर से चिल्ला रहा था। ख्यूक्रिन और कुत्ते की आवाजें सुनकर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई थी।

(10) उंगली ठीक न होने की स्थिति में ख्यूक्रिन का क्या नुकसान होता?

उ० ख्यूक्रिन एक कामकाजी आदमी था। वह पेचीदा किस्म का काम करता था। उसे लकड़ी लेकर जरूरी काम निपटाना था परंतु उंगली पर घाव होने के कारण हफ्तों तक काम नहीं कर पाएगा जिससे काम का नुकसान होगा।

(11) बाजार के चौराहे पर खामोशी क्यों थी?

उ० - बाजार में पुलिस इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव अपने सिपाही के साथ गश्त लगा रहा था। वह रिश्वतखोर था और जो भी सामने आता था, उससे कुछ-कुछ लूट-खसोट जरूर करता था। लोग बहुत कम थे। सभी दुकानदार अपनी-2 दुकानों में खाली बैठे थे। वहाँ कोई खरीदार नहीं था। उस जमाने में रूस में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं थी। पुलिस वाले आम आदमियों को परेशान करते थे। ~~पुलिस~~ पुलिस इंस्पेक्टर

के दौरे और जब्ती की कार्यवाई के कारण लोग सहम गए थे, इसलिए बाज़ार के चौराहे पर खामोशी थी।

(12) जनरल साहब के बावर्ची ने कुत्ते के बारे में क्या बताया?

उ० जनरल साहब के बावर्ची ने कहा- यह हमारा नहीं है। यह तो जनरल झिगालोव के भाई साहब का है, जो थोड़ी देर पहले यहाँ पधारे हैं, अपने जनरल साहब को 'बारज़ोयस' नस्ल के कुत्तों में कोई दिलचस्पी नहीं है पर उनके भाई को यह नस्ल पसंद है।

(13) ख्यूक्रिन ने मुआवज़ा पाने की क्या दलील दी?

उ०- ख्यूक्रिन ने मुआवज़ा पाने की दलील दी कि वह एक कामकाजी आदमी है और उसका काम पेचीदा किस्म का है। उसे मित्रिच से लकड़ी लेकर कुछ काम निपटाना था। कुत्ते ने अकारण उसकी उंगली को काट खाया, जिसके कारण अब हफ्तों तक उसकी उंगली काम करने लायक नहीं रही। इससे उसे काफी नुकसान होगा। इसी आधार पर उसने कुत्ते के मालिक से मुआवज़ा दिलाने की प्रार्थना की।

(14) येल्दीरीन ने ख्यूक्रिन को दोषी ठहराते हुए क्या कहा?

उ० - जब येल्दीरीन को यह पता चला कि कुत्ता जनरल साहब के भाई का है तो उसने ख्यूक्रिन को दोषी ठहराते हुए कहा कि वह जानता है कि ख्यूक्रिन हमेशा कोई न कोई शरारत करता रहता है। इसने ज़रूर अपनी जलती हुई सिगरेट से कुत्ते की नाक जला दी होगी जिससे कुत्ते ने इसे काटा है। यदि कुत्ते ने इसे काटा है तो इसमें सारा दोष ख्यूक्रिन का ही है। कुत्ते का कोई दोष नहीं है।

(15) ओचुमेलाव ने जनरल साहब के पास यह संदेश क्यों भिजवाया होगा कि 'उनसे कहना कि यह मुझे मिला और मैंने इसे वापस उनके पास भेजा है'?

उ०- ओचुमेलाव एक अवसरवादी इंस्पेक्टर था। वह चापलूस था तथा भाई-भतीजावाद में विश्वास रखता था। उसने यह संदेश इसलिए भिजवाया होगा ताकि वह जनरल साहब की नज़रों में अच्छा बन सके। वह जनरल साहब का हितैषी बनकर उनके प्रति निष्ठा व्यक्त कर उन्हें प्रसन्न करते हुए स्वयं श्रेय लेना चाहता था। वह जताना चाहता था वह जनरल साहब का ही नहीं उनके कुत्ते का भी ध्यान रखता है। उसे साहब की भलाई की चिंता है। वह उनका आज्ञाकारी, विश्वसनीय सेवक है उसे आशा थी कि यह संदेश सुनकर जनरल साहब उससे खुश हो जाएंगे और उसकी प्रशंसा करने के साथ-साथ उसे पदोन्नति देंगे।

---

(16) भीड़ ख्यूक्रिन पर क्यों हँसने लगती है?

उ० ख्यूक्रिन कुत्ते द्वारा काटे जाने पर मुआवजे की आशा करता है। इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव को जब पता चलता है कि कुत्ता जनरल साहब के भाई का है तो वह ख्यूक्रिन को ही दोष देता है और कुत्ते को पुचकारता है। उस समय ख्यूक्रिन के स्थान पर उसे एक जानवर अधिक प्यारा लगता है। ख्यूक्रिन की स्थिति उस कुत्ते से भी बदतर हो जाती है। ख्यूक्रिन की विवशता देखकर तथा इंस्पेक्टर के बदलते रूप और पक्षपाती कानून व्यवस्था पर भीड़ हँसने लगती है।

प्रत्येक - 5 अंक

प्र017- ओचुमेलॉव के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।

उ०- ओचुमेलॉव एक भ्रष्ट पुलिस इंस्पेक्टर का प्रतिनिधित्व करने वाला पात्र है। वह गिरगिट की तरह रंग बदलता है, उसकी नजर दो बातों पर रहती है -

(क) अपने शिकार पर।
ख) अपने बड़े अधिकारियों को खुश करने पर।
इसके लिए वह परिस्थिति के अनुसार रंग बदल लेता है। वह रिश्वतखोर व्यक्ति है। यही कारण है कि जब वह अपने सिपाही के साथ बाजार में निकलता है तो चारों ओर खामोशी छा जाती है। वह लोगों से जबरदस्ती लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति है उसके चरित्र की विशेषताएँ निम्न हैं —
- वह एक भ्रष्ट और चालाक पुलिस वाला है।
- वह अवसरवादी है और मौका देखकर गिरगिट की तरह रंग बदलता है।
- पद और आर्थिक हैसियत के आधार पर वह लोगों से व्यवहार करता है।
- वह बेहद चापलूस और चाटुकार है।
- वह निर्दयी और कठोर है। जनता में वह आतंक फैलाकर रखता है। जब वह बाजार से गुजरता है तो लोग अंदर हो जाते हैं।
- वह उच्च वर्ग के लोगों के प्रति विशेष अनुग्रह रखता है। उनके प्रति सदा वफादारी और हमदर्दी दिखाता है।
- वह अपने लाभ के लिए किसी के साथ भी अन्याय कर सकता है।

प्र०18- ख्यूकिन का यह कथन कि 'मेरा भाई भी पुलिस में है....' समाज की किस वास्तविकता की संकेत करता है?

उ०- ख्यूकिन के इस कथन से समाज में फैली भाई-भतीजावाद की प्रवृत्ति का पता चलता है। ख्यूकिन अपने साथ न्याय न होता देखकर अपने भाई को पुलिस-वाला बताने लगा। इस तरह वह ओचुमेलाव व वहाँ उपस्थित लोगों पर रौब डालना चाहता है। इससे पता चलता है कि समाज में अराजकता, भ्रष्टाचार का साम्राज्य है। संपूर्ण शासन व्यवस्था पक्षपात और स्वार्थ

का पर्याय बन गई है। समाज में कानून नहीं अपितु दबाव काम करता है। पुलिस का भय समाज को त्रस्त रखता है। इस कहानी से यह स्पष्ट हो जाता कि पुलिस निरपराधियों को सताती है व दोषियों की मदद करती है।

(17) इस कहानी का शीर्षक 'गिरगिट' क्यों रखा होगा? क्या आप इस कहानी के लिए कोई अन्य शीर्षक सुझा सकते हैं? अपने शीर्षक का आधार भी स्पष्ट कीजिए।

उ० गिरगिट एक ऐसा जीव होता है जो शत्रु से स्वयं को बचाने के लिए अपने आस-पास के वातावरण के अनुसार अपना रंग बदल लेता है। प्रस्तुत कहानी का मुख्य पात्र ओचुमेलाव भी ऐसा ही व्यक्ति है। वह अपने स्वार्थ के लिए परिस्थितियों के अनुसार अपनी बात, व्यवहार और दृष्टिकोण को बार-बार बदल लेता है। वह वास्तव में अवसरवादी है और गिरगिट की तरह रंग बदलने वाला है। कभी वह आदमी के साथ हो जाता है तो कभी भाई-भतीजावाद और चापलूस बनकर कानून के साथ खिलवाड़ करता है। उसके व्यक्तित्व में स्थिरता नहीं है। जब तक ओचुमेलॉव को यह पता नहीं चलता कि काटने वाला कुत्ता जनरल साहब का या उनके भाई का तब तक वह कुत्ते व उसके मालिक को कानूनी तौर पर सबक सिखाने का निर्णय करता है। लेकिन जैसे ही उसे, यह पता चलता है कि कुत्ता जनरल साहिब का है। वैसे ही उसे कुत्ता खूबसूरत व बेकसूर नजर आने लगता है। कहानी के लिए 'गिरगिट' शीर्षक उपयुक्त है। इसके अन्य शीर्षक हो सकते हैं - चापलूस इंस्पेक्टर, अवसरवादी। ओचुमेलॉव के व्यक्तित्व की अस्थिरता व व्यवहार में आने वाले परिवर्तनों को प्रकट करने के लिए ये शीर्षक उचित हैं।

२०- 'गिरगिट' कहानी के माध्यम से समाज की किन विसंगतियों पर व्यंग्य किया गया है? क्या आप ऐसी विसंगतियाँ अपने समाज में भी देखते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उ० - गिरगिट कहानी के माध्यम से लेखक ने समाज की कानून व्यवस्था पर व्यंग्य किया है। लेखक ने बताया है कि शासन व्यवस्था पूर्ण रूप से चापलूसों और आई-गतीजावाद के समर्थक अधिकारियों के भरोसे चल रहा है। व्यक्ति परिस्थिति के अनुसार अपनी बात को परिवर्तित करना अच्छी तरह से जानते हैं। चापलूस अधिकारी सही निर्णय नहीं लेते जिसका असर समाज पर पड़ता है। पुलिस का व्यवहार आम आदमी के प्रति उपेक्षापूर्ण होता है जिसके कारण आम आदमी को न्याय नहीं मिल पाता। पुलिस अधिकारी सदा हित की बात सोचते हैं। समाज में उच्च वर्ग का दबदबा है। उनके आदेश समाज की दिशा निर्धारित करता है जबकि सामान्य व्यक्ति का अपराध दंडनीय हो जाता है। वर्तमान समाज में भी ऐसी विसंगतियों को देखा जा सकता है। हम देखते हैं कि चापलूस और रिश्वतखोर लोग निरंतर उन्नति कर रहे हैं। कानून और न्याय व्यवस्था में चारों ओर चापलूसों और भ्रष्ट लोगों का ही बोलबाला है। लोग सफल होने के लिए इसी रास्ते को अपनाते जा रहे हैं। यद्यपि इन विसंगतियों को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं, किंतु अभी अधिक सफलता नहीं मिल पाई है।